

गहरे समुद्र और आंतरिक लहरों पर कुरआन

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: [लेख पवित्र कुरआन पवित्र कुरआन के वैज्ञानिक चमत्कार](#)

श्रेणी: [लेख सबूत इस्लाम सत्य है पवित्र कुरआन के वैज्ञानिक चमत्कार](#)

द्वारा: islam-guide.com

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

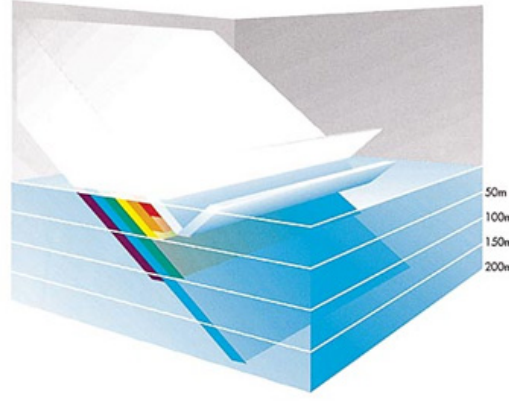
अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

ईश्वर कुरआन में कहता है:

"या फिर उसका उदाहरण ऐसा है जैसे एक गहरे समुद्र के अंधेरे के ऊपर लहरे, उसपर और लहरे और उसके ऊपर बादल। अंधेरे पर अंधेरा छाया हुआ है। यदि आदमी अपना हाथ निकाले तो वह उसे भी न देख पाए..." (कुरआन 24:40)

यह छंद गहरे समुद्रों और महासागरों में पाए जाने वाले अंधेरे के बारे में बताता है, जहां आदमी यदि अपना हाथ बहार निकाले तो वह उसे भी नहीं देख सकता। गहरे समुद्रों और महासागरों में अंधेरा लगभग 200 मीटर और उसके नीचे की गहराई के बाद होता है। इस गहराई के बाद लगभग कोई रोशनी नहीं होती (चित्र 1 देखें)। और 1000 मीटर की गहराई के बाद बिल्कुल ही रोशनी नहीं होती।^[1] पनडुब्बियों या विशेष उपकरणों के बिना आदमी चालीस मीटर से अधिक डुबकी नहीं लगा सकता। 200 मीटर की गहराई पर महासागरों के गहरे अंधेरे हिससे में आदमी बिना किसी सहायता के जीवित नहीं रह सकता।

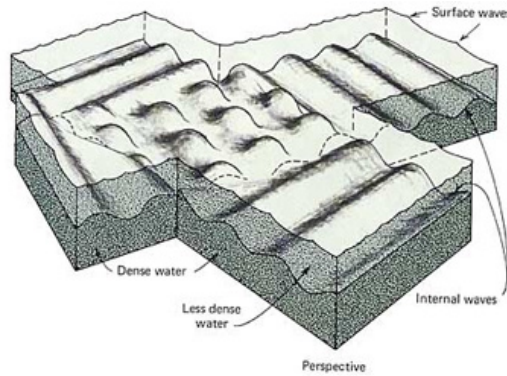




चित्र 1: 3 से लेकर 30 प्रतिशत सूर्य का प्रकाश समुद्र की सतह पर परावर्तित होता है। इसके बाद प्रकाश स्पेक्ट्रम के नीले रंग को छोड़कर लगभग सभी सात रंग पहले 200 मीटर में एक के बाद एक खत्म हो जाते हैं। (महासागर, एल्डर और पेरनेटा, पृष्ठ 27)

वैज्ञानिकों ने हाल ही में विशेष उपकरणों और पनडुब्बियों की सहायता से इस अंधेरे की खोज की है, जसिने उन्हें महासागरों की गहराई में डुबकी लगाने में सक्षम बनाया है।

हम पछिले छंद के इन वाक्यों "...एक गहरे समुद्र के अंधेरे के ऊपर लहरे हैं, उसपर और लहरे हैं और उसके ऊपर बादल हैं..." से भी समझ सकते हैं कि समुद्रों और महासागरों का गहरा पानी लहरों से ढका हुआ है, और इन लहरों के ऊपर अन्य लहरें हैं। यह स्पष्ट है कि लहरों की दूसरी सतह समुद्र के सतह की वो लहरें हैं जिन्हें हम देखते हैं, क्योंकि छंद में बताया गया है कि दूसरी लहरों के ऊपर बादल हैं। लेकिन पहली लहरों का क्या? वैज्ञानिकों ने हाल ही में पता लगाया है कि आंतरिक लहरे हैं जो "वभिन्न घनत्वों की परतों के बीच घनत्व इंटरफेस पर होती हैं।"^[2] (चित्र 2 देखें)।



चित्र 2: वभिन्न घनत्वों के पानी की दो परतों के बीच इंटरफेस पर आंतरिक लहरें। एक घना है (नचिला वाला), दूसरा वाला कम घना है (ऊपरी वाला)। (समुद्र विज्ञान, ग्राँस, पृष्ठ 204)

आंतरिक लहरें समुद्रों और महासागरों के गहरे पानी को ढक लेती हैं क्योंकि गहरे पानी का उनके ऊपर के पानी की तुलना में अधिक घनत्व होता है। आंतरिक तरंगें सतही तरंगों की तरह कार्य करती हैं। ये सतही लहरों की तरह टूट भी सकते हैं। मानव आंतरिक लहरों को नहीं देख सकते, लेकिन कहीं भी तापमान या पानी के खारेपन के बदलाव का अध्ययन करके इनका पता लगाया जा सकता है।^[3]

फुटनोट:

[1] ????, एल्डर और पेरनेटा, पृष्ठ 27

[2] ??????????????, ग्रॉस, पृष्ठ 205

[3] ??????????????, ग्रॉस, पृष्ठ 205

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/index.php/hi/articles/217>

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।